

Roll No.

Total Printed Pages - 03

F - 1217

**LL. B. (Part - III) (First Semester)
EXAMINATION, MAY-JUNE, 2022
Paper Third
INTERPRETATION OF STATUTES**

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt any five questions. All questions carry equal marks

1. कानूनों के निर्वाचन से आप क्या समझते हैं? कानूनों के वर्गीकरण को समझाइए।

What do you mean by interpretation of statutes? Explain the classification of statutes

2. निर्वचन के शाब्दिक नियम की व्याख्या कीजिए।

Explain the literal rule of Interpretation.

P.T.O.

[2]

3. उपधारणा से आप क्या समझते हैं? संविधि के निर्वचन में इसका क्या महत्व है?

What do you mean by "Presumption"? What is its importance of interpretations of statutes.

4. संविधि निर्वचन के आन्तरिक सहायकों की विवेचना कीजिए।

Discuss the "Internal Aids" of Interpretation of statutes.

5. रिश्ठि के नियम को स्पष्ट कीजिए।

Explain the rule of mischief.

6. प्रत्यायोजित शक्ति का और प्रत्यायोजन नहीं हो सकता" इस कथन की विवेचना कीजिए।

"Delegates Non Potest delegare". Discuss this statement.

7. दांडिक संविधियों की व्याख्या किस प्रकार की जाती है? निर्णीत वादों की सहायता से समझाइये।

How are penal Statutes interpreted? Explain with the help of decided cases.

8. कानूनों का सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन की विवेचना कीजिए।

Explain the "Harmonious Construction" of statutes.

9. संविधान के निर्वचन में प्रस्तावना के महत्व को समझाइए।

Explain the importance of preamble in the interpretation of the Constitution.

F - 1217

[3]

10. संविधान के निर्वचन के निम्नलिखित सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

Discuss the following principles of constitutional interpretation.

(i) छद्म विधायन का सिद्धान्त

Doctrine of colourable legislation

(ii) सार एवं तत्व का सिद्धान्त।

Doctrine of pith and substance.